

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, राजा, सत्र 16, भाग 2

1 राजा 21-22, भाग 2

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

और जिस तरह नाबोथ के दाख की बारी की कहानी यह दर्शाती है कि इस भूमि का मालिक कौन है और यह दर्शाती है कि केवल शक्ति से यह नहीं होगा, यहाँ एक और कहानी है जो दर्शाती है कि मनुष्य नहीं, बल्कि ईश्वर ही वह है जिस पर हमें निर्भर रहना चाहिए और जिसकी ओर हमें मुड़ना चाहिए। यह मीकायाह की भविष्यवाणी की कहानी है। अब, यदि आप यहाँ ओवरहेड प्रोजेक्शन या पावरपॉइंट प्रोजेक्शन को देखते हैं, तो आपको लग सकता है कि वह एक गुब्बारा है जिसे वह ऊपर उठाए हुए है।

नहीं, ऐसा नहीं है। यह एक स्टॉप साइन है। मेरी बात मान लो।

तो, कहानी क्या है? यहोशापात यहूदा का राजा है। उसकी बहू अहाब की बेटी है। अब, यह दिलचस्प है कि पूरी कहानी में उसे अक्सर ओम्री की बेटी के रूप में संदर्भित किया जाता है।

याद रखें, ओम्री अहाब का पिता है। लेकिन यह भी याद रखें, हिब्रू में पोती के लिए कोई शब्द नहीं है। अगर वह महिला वंशज है, तो वह बेटी है।

लेकिन ओमरी की बेटी होने की बात क्यों की जा रही है? ओह, मुझे लगता है कि यह इस पूरे राजवंश को एक साथ बांध रहा है। जैसे उसके पिता ओमरी के बेटे हैं, वैसे ही वह ओमरी की बेटी है। ओमरी ने इस राजवंश के लिए रास्ता तय किया है, और वह इसका हिस्सा है।

तो, यहोशापात और अहाब के बीच एक गठबंधन है। और इतिहास की किताब में, यहोशापात को उस गठबंधन के लिए दोषी ठहराया गया है, राजाओं में नहीं। लेकिन राजाओं में यहोशापात की तस्वीर किसी ऐसे व्यक्ति की है जिसकी लिफ्ट ऊपरी मंजिल तक नहीं जाती।

उन्हें एक अच्छे इंसान के रूप में दर्शाया गया है, लेकिन शायद वे बहुत बुद्धिमान नहीं हैं। और हम देखेंगे कि इस कहानी में यह कैसे सामने आता है। लेकिन हम यह भी देखेंगे कि आध्यात्मिक रूप से संवेदनशील होने के लिए आपको बुद्धिमान होने की ज़रूरत नहीं है।

हम उस पर आएँगे। इसलिए, अहाब ने कहा, यहोशापात, हमें जॉर्डन नदी के पार पूर्व की ओर जाना होगा और गिलाद के रामोत में उस महान चौराहे को फिर से हासिल करना होगा। हमने पहले भूमि के भूगोल के बारे में बात की है।

और मुझे एक पल के लिए फिर से इसके बारे में बात करने दें। दो महान राजमार्ग हैं, एक दमिश्क से गलील के तट के साथ नीचे आ रहा है, मगिदो के दर्रे से होकर, और तट के साथ नीचे। तट खुद दलदली था, इसलिए सड़क हाइलैंड्स और तट के बीच से होकर मिस्र तक जाती थी।

यह राजा का राजमार्ग है। माफ़ करें, यह समुद्र का राजमार्ग है। दूसरी सड़क अकाबा की खाड़ी से लाल सागर के किनारे रेगिस्तान के किनारे से होकर दमिश्क तक जाती है।

यह राजा का राजमार्ग है। अब, याद रखें कि ऐतिहासिक रूप से, यह क्षेत्र तीन जनजातियों, रूबेन, गाद और मनश्शे के आधे लोगों को दिया गया था। यहाँ गिलाद के रामोत में, एक सड़क निकली, घाटी से होते हुए अक्को के बंदरगाह तक कुछ दूरी तक, हमें पूरा यकीन नहीं है।

इसलिए गिलाद का रामोथ चौराहा बहुत महत्वपूर्ण था। यदि आप उस केंद्र को नियंत्रित करते, तो आप दोनों मार्गों के व्यापार को नियंत्रित करने की स्थिति में होते। आप उत्तर की ओर जाने वाली चीज़ों को रोक सकते थे, और आप इसे इस ओर मोड़ सकते थे।

बहुत महत्वपूर्ण है। और फिर, हम इसे अपनी कहानी में कुछ हफ़्तों बाद देखेंगे। तो, अहाब कहता है, देखो, गिलाद का रामोत हमारा है।

यह हमारे आदिवासी क्षेत्र में है। इसलिए, सीरियाई, अरामी लोगों का उस पर अधिकार करना गलत है। हम इस पर अपना अधिकार जताने जा रहे हैं।

तुम क्या सोचते हो, यहोशापात? यहोशापात कहता है, हाँ, बिलकुल। मेरे घोड़े तुम्हारे घोड़े हैं। मेरे आदमी तुम्हारे घोड़े हैं।

मेरे रथ तुम्हारे रथ हैं। कोई समस्या नहीं। लेकिन चलो एक भविष्यवक्ता से सलाह लेते हैं।

आइए हम भगवान से पूछें कि क्या उन्हें लगता है कि यह एक अच्छा विचार है या नहीं। अहाब ने कहा, कोई समस्या नहीं है। मेरे पास 400 भविष्यवक्ता हैं।

अब, यह संख्या काफी दिलचस्प है। अध्याय 18 में, हमें बताया गया था कि अशेरा, महिला प्रजनन देवता या देवी के 400 भविष्यवक्ता थे। हमें बताया गया है कि उस घटना के बाद बाल के भविष्यवक्ताओं को मार दिया गया था।

हमें नहीं बताया गया कि इन अन्य लोगों के साथ क्या हुआ। इसलिए, 400 एक तरह से दिलचस्प है। खैर, वे आते हैं, और कहते हैं, ओह, ओह, राजा अहाब, अपनी शक्ति में आगे बढ़ो।

तुम विजयी होगे। तुम अपने शत्रुओं को रौंदोगे। प्रभु यहोवा इसे राजा के हाथ में दे देगा।

यह छठी आयत है। लेकिन यहोशापात ने पूछा, क्या अब यहाँ यहोवा का कोई भविष्यवक्ता नहीं है जिससे हम पूछताछ कर सकें? हुह, ये लोग यहोवा के नाम पर भविष्यवाणी कर रहे हैं। क्या हो रहा है? प्राचीन दुनिया में, हर राजा के पास भविष्यवक्ताओं का एक समूह होता था जो शकुनों को देखते थे, सितारों को देखते थे, पक्षियों को देखते थे, बलि के जानवर की अंतड़ियों को देखते थे, और देखते थे कि क्या यह शुभ दिन है? यह एक लैटिन शब्द है।

क्या यह एक अशुभ दिन है? क्या यह शुभ संकेत और शुभ संकेतों का दिन है? अब, यह सब वास्तविकता की उनकी समझ से जुड़ा हुआ है। क्यों, अगर भेड़ का जिगर मुड़ा हुआ है, तो क्या राजा सफल होगा? क्योंकि अतीत में कभी ऐसा हुआ था। और जो कुछ भी होता है, वह वापस आता है।

यह एक बहुत ही उच्च कौशल वाला पेशा था। आपको यह जानने में सक्षम होना चाहिए कि इसका एक हिस्सा, निश्चित रूप से, राजनीतिक था। क्या यह संभव था कि यह राजा इस युद्ध को जीतने वाला था? तो हमें सही शगुन मिलना चाहिए।

क्या यह संभव है कि वह पराजित हो जाए? हमें सही शगुन मिलना चाहिए। लेकिन ये पेशेवर हैं, उच्च प्रशिक्षित, उच्च वेतन वाले, और जोखिम भरे जीवन जी रहे हैं क्योंकि उन्हें राजा को वही बताना है जो वह सुनना चाहता है। मुझे आश्चर्य है कि क्या यहोशापात इन्हें पेशेवर के रूप में पहचानता है।

ये लोग राजा के वेतन पर काम करते हैं। क्या कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जो राजा के वेतन पर काम नहीं करता? जो सिर्फ भगवान की तरफ से बोलने वाला है? मुझे नहीं पता। लेकिन जैसा कि मैंने कुछ क्षण पहले कहा था, आध्यात्मिक रूप से संवेदनशील होने के लिए आपको बहुत ज़्यादा बुद्धिमान होने की ज़रूरत नहीं है।

यह अच्छी खबर है दोस्तों। यह मेरे लिए अच्छी खबर है। यह आपके लिए भी अच्छी खबर है।

राजा को पहचानने के लिए आपको 180 की IQ की आवश्यकता नहीं है। प्रभु बता रहे हैं कि वह क्या कर रहा है और कहाँ जा रहा है। अहाब कहता है, ठीक है, हाँ, मेरे पास एक है।

लेकिन वह मेरे बारे में कभी कुछ अच्छा नहीं कहता। और यहोशापात कहता है, ओह, ऐसा मत कहो। ऐसा मत कहो।

और इसलिए, वे मीकायाह को बुलाने के लिए एक दूत भेजते हैं। दूत मीकायाह को बताता है। अब, देखो, इन सभी अन्य लोगों को शुभ संकेत दिए गए हैं।

बेहतर होगा कि तुम यहाँ पर गलती न करो। और इसलिए, मीकायाह, जब वह अंदर आता है, तो वे अपने शाही वस्त्र पहने हुए, शहर के द्वार के बाहर खलिहान में, समतल पहाड़ी की चोटी पर बैठे होते हैं। सभी लोग चारों ओर इकट्ठे होते हैं, और भविष्यवक्ता भविष्यवाणी कर रहे होते हैं।

इनमें से एक, सिदकियाह, कनाना का बेटा, बहुत ही संदिग्ध रूप से कनान की तरह बोलता है और उसने सींगों से एक हेडड्रेस बनाया है, जैसा कि हमने कुछ दिनों पहले टीवी पर देखा था। और वह दूसरों को टक्कर मारते हुए इधर-उधर भाग रहा है और कह रहा है, यह वह तरीका है जिससे तुम अपने उद्देश्यों को पूरा करने जा रहे हो। और मीकायाह कहता है, हमला करो और विजयी बनो, क्योंकि यहोवा इसे राजा के हाथ में दे देगा।

मुझे आश्चर्य है कि क्या उसके चेहरे पर व्यंग्यात्मक भाव था। लेकिन जो भी था, अहाब ने कहा, देखो, जो तुम कहने आए हो, वही कहो। ठीक है, मैं कहूँगा।

मैंने इस्राएल को पहाड़ों पर बिना चरवाहे की भेड़ों की तरह बिखरा हुआ देखा। मैं आपकी सेना को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त देख रहा हूँ क्योंकि आप चले गए हैं। उनका कोई चरवाहा नहीं है, और वे मर चुके हैं।

राजा ने कहा, क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि उसने मेरे बारे में कभी भी कुछ अच्छा नहीं कहा, बल्कि केवल बुरा कहा। मैं नहीं जानना चाहता कि परमेश्वर क्या चाहता है। मैं चाहता हूँ कि परमेश्वर मेरी इच्छा की पुष्टि करे।

ओह, मेरे दोस्तों, क्या आपने कभी ऐसा किया है? मैंने किया है। मैंने अपनी योजनाएँ बनाई, और फिर मैं भगवान के पास गया और कहा, अब, भगवान इसे आशीर्वाद दें, कृपया। भगवान आपके चार पत्ती वाला तिपतिया घास नहीं है।

भगवान आपके खरगोश के पैर नहीं हैं। वह भगवान हैं। सवाल यह नहीं है कि आप क्या चाहते हैं। मैं क्या चाहता हूँ? सवाल यह है कि वह क्या चाहता है? लेकिन क्या हुआ? इन सभी अन्य भविष्यवक्ताओं को भगवान से यह कथित वचन कहाँ से मिला? मेरे लिए यह बहुत ही दिलचस्प है।

मीकायाह यह नहीं कहता कि, वे सब झूठ बोल रहे हैं। वे सब इस पर विश्वास करते हैं। क्यों? क्योंकि परमेश्वर ने उनमें झूठ बोलने वाली आत्मा डाल दी है।

अब, मैं आपके बारे में नहीं जानता, लेकिन मुझे यह वाकई असहज लगता है। मुझे यह सोचना पसंद नहीं है कि परमेश्वर जानबूझकर किसी को धोखा दे रहा है। लेकिन मैं आपको भजन 18, श्लोक 26 का संदर्भ दूँगा।

वहाँ हम ये शब्द पढ़ते हैं। श्लोक 25 विश्वासियों के लिए, आप अपने आप को निर्दोषों के प्रति विश्वासयोग्य दिखाते हैं। आप अपने आप को शुद्ध लोगों के प्रति निर्दोष दिखाते हैं।

आप खुद को शुद्ध दिखाते हैं, लेकिन कुटिल, आप खुद को कुटिल दिखाते हैं। वाह। वाह।

हमने इस बारे में पहले भी बात की है। हमने फिरौन के दिल को कठोर बनाने के बारे में बात की है - कुछ ऐसे ही मुद्दे।

मुद्दा यह है कि परमेश्वर हमारी इच्छा के विरुद्ध हमारे साथ कुछ नहीं करता। वह हमें ऐसा कुछ करने के लिए मजबूर नहीं करता जो हम सामान्यतः नहीं करते।

हम इस बारे में बात नहीं कर रहे हैं। हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि भगवान ने दुनिया को इसलिए बनाया है ताकि यह हमारे चुनाव की पुष्टि करे। और यही वह कह रहा है।

भगवान आपके द्वारा चुने गए विकल्पों की पुष्टि करेंगे। ओह हाँ, आगे बढ़ो। मैं आपके बारे में नहीं जानता, लेकिन फिर से, मुझे अपने बारे में बात करनी है।

मैं परमेश्वर की आवाज़ को सुनने में बहुत अच्छा हूँ जो मैं कहना चाहता हूँ। क्या मैं इसमें अकेला हूँ? मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं होगा। मैं गिलाद के रामोत जाना चाहता हूँ।

यही सही काम है, है न? भगवान? हाँ, आगे बढ़ो। यह कहने से बहुत अलग है, भगवान, मैं वही करना चाहता हूँ जो आप चाहते हैं। ऐसा लगता है कि गिलाद के रामोत में जाना सबसे अच्छी बात है, लेकिन मुझे इसके बारे में नहीं पता, भगवान।

आप क्या चाहते हैं? यह कितना अलग है। परमेश्वर हमारी कठोर हृदयता में हमारी पुष्टि करेगा। परमेश्वर हमारी हठधर्मिता में हमारी पुष्टि करेगा।

वह हमें शारीरिक रूप से नहीं रोकेगा। यह एक भयावह शब्द है, लेकिन यह उस रिश्ते को दर्शाता है जिसके लिए आप और मैं बुलाए गए हैं। यह कोई कठोर, कठोर दिल वाला गुरु नहीं है जो कहता है, तुम यह करोगे, या मैं तुम्हें कुचल दूंगा।

न ही यह सर्वशक्तिमान मनुष्य है जो कहता है, तुम मेरे भगवान हो, और तुम वही करने के लिए मौजूद हो जो मैं चाहता हूँ। पैसे दो, नहीं तो मैं तुम्हें कल खाना नहीं दूँगा। नहीं।

नहीं, हमें एक संवाद के लिए बुलाया गया है। महिमा के प्रभु और उनके द्वारा बनाई गई सबसे बेहतरीन चीज़ के बीच संवाद। आप, एक संवाद जो सौम्य और पारस्परिक रूप से संतोषजनक होने का इरादा रखता है।

कितना नाजुक, लेकिन यह है। और इसलिए मीकायाह कहता है, तुमने गिलाद के रामोत जाने का मन बना लिया है, और परमेश्वर ने तुम्हें ऐसा करने की पुष्टि दी है। तुम जो करना चाहते हो, करो।

लेकिन मैं तुम्हें बता दूँ, तुम ज़िंदा वापस नहीं आओगे। तुम और मैं जब परमेश्वर की इच्छा की तलाश करते हैं, तो क्या होगा? क्या मैं वास्तव में वही चाहता हूँ जो परमेश्वर चाहता है, या मैं वही चाहता हूँ जो मैं चाहता हूँ? क्या तुम वास्तव में वही चाहते हो जो परमेश्वर चाहता है, या तुम वही चाहते हो जो तुम चाहते हो? और इसलिए वह चला गया। और उसने कहा, मीकायाह को जेल में डाल दो और जब तक मैं वापस न आऊँ, उसे रोटी और पानी खिलाओ।

दिलचस्प बात यह है कि यहाँ फिर से अहाब है। मुझे लगता है कि इज़ेबेल ने मीकायाह को मौके पर ही मार डाला होगा।

उसे चुप कराओ। लेकिन अहाब के अतीत में अभी भी यहोवावाद है। अब, अगर वह वापस आता है, तो मीकायाह एक झूठा भविष्यद्वक्ता है, और मीकायाह मरने वाला है।

लेकिन उसके पास बस इतना ही सवाल है। मैं फिर से कहता हूँ, क्या आप वाकई ईश्वर की इच्छा चाहते हैं या आप चाहते हैं कि वह आपकी इच्छा की पुष्टि करे? ओह, दोस्तों, वह ऐसा करेगा, लेकिन वह अच्छा दिन नहीं होगा।